

'पत्रिका गेट' जयपुर

प्रलम्बिस के लयि:

पत्रिका गेट, मशिन अनुपम, वशिव धरोहर स्थल

मेन्स के लयि:

जयपुर, नगरीय योजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री द्वारा जयपुर (राजस्थान) में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'पत्रिका गेट' (Patrika Gate) का उद्घाटन किया गया।

प्रमुख बडि:

- गेट का नरिमाण 'राजस्थान पत्रिका प्रकाशन समूह' (मीडिया समूह) द्वारा जवाहर लाल नेहरू मार्ग (जयपुर का प्रमुख सड़क) पर किया गया है।
- यह 'जयपुर विकास प्राधिकरण' (Jaipur Development Authority- JDA) के 'मशिन अनुपम' (Mission Anupam) के तहत एक स्मारक के रूप में बनाया गया एक प्रतषिठति द्वार है।

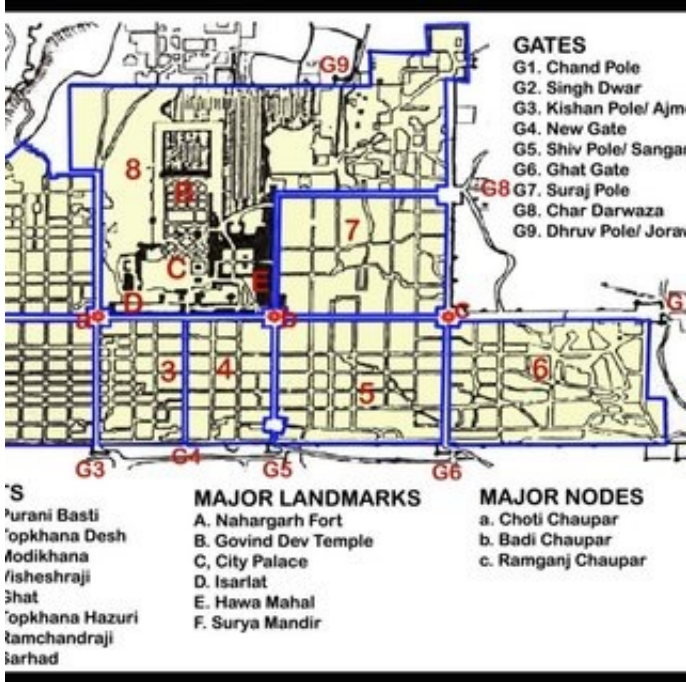


जयपुर, वशिव वरिसत स्थल:

- यूनेस्को द्वारा 'वशिव धरोहर स्थल' (World Heritage Site) के रूप में जयपुर को मान्यता दी गई है। 'पत्रिका गेट' का नरिमाण इसी को ध्यान में रखते हुए किया गया था।
- वर्ष 2019 में जयपुर ऐसी मान्यता प्राप्त करने वाला अहमदाबाद के बाद देश का दूसरा नगर बन गया है।
- भारत में 38 वशिव धरोहर स्थल हैं, जनिमें 30 सांस्कृतिक स्थल, 7 प्राकृतिक स्थल और 1 मशिरति स्थल शामिल हैं।

जयपुर, नगरीय योजना के रूप में:

- जयपुर नगर (चारदीवारी वाला नगर) की स्थापना वर्ष 1727 में सवाई जय सहे द्वितीय द्वारा की गई थी।
- जयपुर नगर को वैदिक वास्तुकला के प्रकाश में व्याख्यायति ग्रडि योजना के अनुसार बसाया गया था।
- नगर की सड़कों के दोनों तरफ उपनविश काल से व्यवसाय की सुविधा है। ये सड़कें बड़े चौराहों जिन्हें चौपड़ कहा जाता है, पर एक-दूसरे से मिलती हैं।
- नगर की योजना में प्राचीन हट्टि, मुगल और पश्चिमी संस्कृतियों के तत्त्वों का प्रयोग किया गया है।
- ग्रडि योजना सामान्यतः पश्चिमी देशों द्वारा नगरों की स्थापना में अपनाई जाने वाली विधि है, जबकि विभिन्न शहर क्षेत्रों (चौकी) का संगठन पारंपरिक हट्टि अवधारणाओं को संदर्भित करता है।
- नगर को एक वाणज्यिक राजधानी के रूप में डिजाइन किया गया था जो अपनी स्थानीय वाणज्यिक और सहकारी परंपराओं को अभी तक बनाए हुए है।



स्रोत: द हट्टि

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/patrika-gate-in-jaipur>